विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक – 1953 के प्रश्नांश (क) का परिशिष्ट – "अ"

डेंगू, चिकिनगुनिया एवं मलेरिया की रोकथाम हेतु कार्ययोजना जिला – छतरपुर

1. **डेंगू, चिकिनगुनिया :–** डेंगू, चिकिनगुनिया एवं मलेरिया नियंत्रण हेतु शहरी क्षेत्र छतरपुर में 02 सदस्यों की 17 टीम प्रतिदिन कार्य कर रही है। टीम में मलेरिया के कर्मचारी ए.एम.ओ. 01, जूनियर मलेरिया इंस्पेक्टर 01, सर्वलेन्स वर्कर 03, सुपीरियर फील्ड वर्कर 03, पम्प मैकेनिक 01, फील्ड वर्कर 17, भृत्य 02, क्लीनर 02, कीट संग्राहक 02, लेब सहायक 01, की ड्यूटी लगायी गयी है, जो प्रतिदिन लार्वा सर्वे कार्य व रैपिड फीवर सर्वे कार्य एवं लार्वीसाइड का छिड़काव करते है।

   नौगॉव क्षेत्र में 03 टीमों का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, सर्विलेंस वर्कर 01, फिल्ड वर्कर 03 लगाए गये है। इनके द्वारा भी नौगाँव क्षेत्र में लार्वा सर्वे कार्य व रैपिड फीवर सर्वे कार्य एवं लार्वीसाइड का छिड़काव किया जाता है।

   महाराजपुर में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें सुपिरियर फिल्ड वर्कर 01, फिल्ड वर्कर 01 लगाए गये है, राजनगर में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, फिल्ड वर्कर 01 लगाए गये है। ईसानगर में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, टेक्नीशियन 01 लगाए गये है। सटई में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, फिल्ड वर्कर 01 लगाए गये है। बक्सवा में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, प्रभारी बी.ई.ई. 01 लगाए गये है। लवकुश नगर में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें मलेरिया निरीक्षक 01, प्रयोशाला सहायक 01 लगाए गये है। गौरिहार में 01 टीम का गठन किया गया है। इसमें प्रभारी मलेरिया निरीक्षक 01, बी.सी.एम. 01 लगाए गये है।

   जिला स्तर व ब्लॉक स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम गठित की गई है, जो आवश्यकता होने पर रोगियों की जाँच उपचार एवं प्रतिबंधात्मक कार्य करने को तैयार है, मरीजो के सीरम सेम्पल लेकर डेंगू, चिकिनगुनिया की जॉच हेतु मेडिकल कॉलेज ग्वालियर भेजने की भी व्यवस्था की गयी है, जिला चिकित्सालय में प्लेटलेटस् कॉउंटर मशीन से जाँच की भी सुविधा उपलब्ध है। माह जुलाई डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसमें आमजन में डेंगू, चिकिनगुनिया के कारण व बचाव का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

2. **मलेरिया रोग :–** बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की निःशुल्क जाँच व उपचार की व्यवस्था है।
   जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रयोगशाला स्थापित है। इनके माध्यम से बुखार के रोगियों में मलेरिया की जाँच की व्यवस्था है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र में भी बुखार के रोगियों की जाँच के लिये रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट एवं मलेरिया के उपचार हेतु औषधियां उपलब्ध है।

निरंतर.....

ग्राम स्तर पर आशा के पास मलेरिया की तुरंत जाँच करने के लिये रेपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट एवं मलेरिया रोगी के उपचार की दवाएं उपलब्ध करायी गयी है, नाली गड्डों में मच्छरों के लार्वा समाप्त करने हेतु टैमोफॉस लार्वीसाईड व मच्छर समाप्त करने हेतु पायरेथ्रम एडल्टीसाईड भी उपलब्ध करायी गयी है, बुखार पीड़ितो के लिये रैपिड फीवर सर्वे व लार्वा सर्वे कराया जा रहा है। जनवरी से जून तक मात्र 47 मलेरिया रोगी पाये गये है, जिनको मौलिक उपचार किया जा चुका है, विभाग के द्वारा 75488 स्लाइड संग्रह किया जा चुका है। मलेरिया की रोकथाम के लिये जनभागीदारी बढ़ाने की दृष्टि से माह जून को मलेरिया माह के रूप में मनाया गया। इसमें व्यापक प्रचार–प्रसार कर बीमारी के कारण एवं बचाव की जानकारी आमजन को दी गई। जिले में एवं विकासखण्ड स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। जिसके द्वारा मलेरिया महामारी पाये जाने पर ग्राम में ही शिविर लगाकर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था है।

उप संचालक (व्ही.बी.डी.सी.पी.)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
मध्यप्रदेश

विधानसभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 1953 के प्रश्नांश (क) का परिशिष्ट का-पत्र "ब"

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से आवंटन			
वर्ष	बजट मद	आवंटन	व्यय राशि
2016–17	आशा मानदेय	457820	452670
	मलेरिया माह जून	50000	49940
	मलेरिया नियंत्रण गतिविधियां	517000	517328
	डेंगू–चिकनगुनिया	259960	213203
	फाइलेरिया	2384350	49983
2017–18	मलेरिया माह जून	50000	46800
राज्य मद से आवंटन			
वर्ष	बजट मद	आवंटन	व्यय राशि
2016–17	मलेरिया–19–2210–6–198–4245–22–007	38555	38500
	मलेरिया–19–2210–6–198–4245–22–007	241100	241001
	मलेरिया–19–2210–6–198–4245–34–007	1936800	1928506
	डेंगू–चिकनगुनिया	निरंक	निरंक
2017–18	मलेरिया–डेंगू–चिकनगुनिया	निरंक	निरंक

उप संचालक (एन.बी.डी.सी.पी.)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें,
मध्यप्रदेश